Issue 11 | Volume 1 | 2020

amaltas
COLLEGE OF EDUCATION

"TEACH TO LEARN AND LEARN TO TEACH"

www.amaltascollege.com

Newsletter

May 2020

UGC GUIDELINES ON EXAMINATION AND ACADEMIC CALENDAR 2020-21

The new guidelines on examination and academic calendar in view of COVID-19 pandemic for the Universities and colleges issued by the University Grants Commission states that the new academic session for the old students will commence from August 1, while for the new students it will be September 1, 2020.

The much anticipated admissions for the 2020-21 session will be conducted between August 1 to August 31, 2020. The pending terminal and intermediate exams are to be conducted between July and August , 2020.

It has also been recommended that Universities may adopt alternative and simplified modes and methods of examinations to complete the process in shorter period of time like reducing the time from three hours to two hours as well offer flexibility of both online and offline exams. The guidelines are suggestive in nature and Universities can adjust as per their requirement and prevailing situations.

UNIVERSITY MEMBER NOMINATION IN GOVERNING BODY

The Deputy Registrar of Aryabhatta Knowledge University has been nominated by Hon'ble Vice Chancellor as the University representative member in our Governing Body for the Academic year 2020-21. The nomination has been made under the provision of Section 27(11) of Aryabhatta Knowledge University Act. As per Section 27(11) of AKU Act the Governing Body of a college consists of eleven members including Principal, a teacher representative, a non-teaching staff of the college and an officer of State Government not below the rank of SDM. Five other members are nominated by the trust/society which has set up the college one of whom should be a woman.

The tenure of the Deputy Registrar as University representative in our Governing Body will be of one year from the date of nomination.

B.ED. EXAMINATION SCHEDULE 2020

Aryabhatta Knowledge University has declared the examination schedule for B.Ed first year and second year. The theory examination for first year B.Ed will start from Wednesday 12th August and end on 22nd August 2020. The practical examination will be conducted between 24th and 29th August 2020.

The theory examination for second year will also start from 12th August and will end on 20th August. The practicals for second years have been scheduled between 22nd and 26th August 2020.

BIHAR B.ED CET - REVISED SCHEDULE

According to the media reports, the Bihar B.Ed CET 2020 will be conducted tentatively on 19th July 2020. The revised counseling schedule will be notified by Lalit Narayan Mithila University, Darbhanga after the hearing in the Supreme Court of India which is scheduled to be held in the third week of June.

The Nodal Officer from Lalit Narayan Mithila University has made it clear that entrance examination would be conducted by following all the guidelines imposed by the government, including social distancing and usage of masks.

A MENTOR'S EXPERIENCE IN LOCKDOWN

आपदा के समय सामान्य कैसे रहें ?

किसी भी आपदा के समय मानव मानसिक रूप से असंतुलित हो जाता है, क्योंकि मानव के लिए आपदा बहुत ही कठिन होती है | वर्तमान समय में पूरा विश्व कोरोना जैसे आपदा से जूझ रहा है | दैनिक जीवन अस्त-व्यस्त हो चुका है | कोरोना ने पूरे विश्व में एक खौफ़नाक स्थिति पैदा कर दी है | सभी व्यक्ति इससे भयभीत हो गए हैं | इसी प्रकार जब भारत में कोरोना अपने पाँव पसारने लगा तब मैं भी भयभीत हो गई; मुझे भी अपने शैक्षणिक कार्यों में रुचि नहीं रही | मन में हलचल उत्पन्न हुई | मानसिक रूप से असंतुलित होने लगी | कोरोना के भयवश अपने घर में सिमट गई और वहीं से शैक्षणिक कार्य करने लगी लेकिन घर में भी रहकर भय ख़त्म नहीं हुआ; मन की हलचल शांत नहीं हुई और कोरोना का भय बढ़ता गया, कार्य में शिथिलता आती गई | इस तरह एक सप्ताह गुजरा l उसके बाद मैंने अपना शैक्षणिक कार्य महाविद्यालय से करना शुरु किया और शिक्षण- अधिगम प्रक्रिया को जारी रखने के लिए चिंतन करना प्रारम्भ कर दिया | एक सप्ताह चिंतन प्रक्रिया चलती रही फिर Google Meet के जरिये शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को सुचारु रूप से चलाना प्रारम्भ कर दिया | इस तरह मैं अपने छात्रों से Online यथावत् मिलने लगी और पहले की भांति पठन- पाठन का कार्य चलने लगा | इस दौरान मैं इतनी व्यस्त रही कि मुझमें कोरोना जैसे भयावह आपदा का भय स्वतः कम होता गया क्योंकि मैं छात्रों से पहले की भांति मिलने लगी | छात्र एवं छात्राएँ दोनों इस अधिगम प्रक्रिया से संतुष्ट नजर आये | इससे मुझे यह अनुभव हुआ कि किसी भी कठिन समय में घबराना नहीं चाहिए; अपने कार्य को सामान्य रूप से करते रहना चाहिए | जब हम व्यस्त रहते हैं तो कोई भी कठिन समय आसानी से गुजर जाता है और एक नया अनुभव प्रदान करता है | जब कोई भी समस्या आती है तो अपने साथ समाधान लेकर अवश्य आती है सिर्फ ज़रूरत है तो हमें उस समाधान को ढूँढने की | किसी भी आपदा या कठिन समय में अपने आप को व्यस्त रखें, उस समस्या के समाधान के बारे में चिंतन करें निवारण अवश्य मिलेगा | जब कोई आपदा आ पड़े तो धैर्य धारण करने में ही समझदारी है |

- मधु कुमारी - संकाय सदस्य

A STUDENT'S EXPERIENCE

आज मुझे अपना अनुभव आप के बीच साझा करते हुए ख़ुशी हो रही है |'अमलतास कॉलेज ऑफ एजुकेशन' में शैक्षणिक वातावरण मिलने से मेरे भीतर बहुत बदलाव आये| बी.एड. कोर्स के शुरुआती दिनों में मेरे लिए महाविद्यालय की समय सारिणी के साथ समन्वय बनाना मुश्किल हो रहा था क्योंकि इससे पहले मैं इंटर और स्नातक की पढाई के दौरान कक्षा में इतनी लम्बी अवधि तक कभी भी उपस्थित नहीं रहता था, कारण कि वहाँ कक्षाएँ कम हुआ करती थीं | अब मैं नियमित रूप से महाविद्यालय आ रहा था, जिससे मुश्किलें कम होने लगी क्योंकि नियमित रूप से आने के कारण शिक्षकों की बातें मुझे प्रभावित करने लगीं | मुझे यह एहसास होने लगा कि "चुनौतियाँ हमें कमज़ोर नहीं बल्कि मज़बूत बनाती हैं"| इस दो वर्षीय बी एड कोर्स में शुरूआती अठारह महीनों का एहसास अभूतपूर्व रहा क्योंकि मैं इस महाविद्यालय में शिक्षक प्रशिक्षण कोर्स की डिग्री के लिए आया था, लेकिन मैंने देखा कि यहाँ छात्रों को इस तरह से प्रशिक्षित किया जाता है कि वे न केवल शिक्षण के मामले में बल्कि जीवन में आने वाली किसी प्रकार कि चुनौतियों का सामना करने योग्य बनें तथा हरेक क्षेत्र में खुद को साबित करें और राष्ट्र निर्माण में अपनी एहमियत को समझे`| यहाँ हमारे अन्दर की कमियों को दूर कर एवं गुणों को पहचान कर एक सुयोग्य शिक्षक बनाने की भरपूर कोशिश की जाती है |

दो वर्षीय कोर्स में अठारह महीने तक सब कुछ अच्छे से बीता, स्कूल में हमारा स्थानबद्ध प्रशिक्षण (internship) भी पूरा हो चुका था, कोर्स पूरा होने में सिर्फ छह महीने बाकी थे, हमारी पढाई अच्छे से चल रही थी लेकिन इसी बीच वैश्विक महामारी COVID-19 के कारण मार्च महीने से अभी तक कॉलेज न खुलने के करण क्लासेस से हम लोग वंचित हैं, हालांकि हमारी पढाई बाधित न हो इसके लिए कॉलेज द्वारा ऑनलाइन क्लासेस चलाई जा रही है ताकि पाठ्यक्रम पूरा हो सके और एक-एक विद्यार्थी को इसका लाभ मिल सके |

लॉक डाउन के समय मुझे कॉलेज की कमी सबसे ज्यादा महसूस हुई, वहां बिताये गए सभी पर्व – त्योहारों के सुनहरे पल मुझे बहुत याद आते हैं | आशा करता हूँ कि हम इस कोरोना महामारी से जल्द उबरें ताकि मैं फिर से अपने कॉलेज से जुड़ सकूं |

कुंजन कुमार प्रजापति (बी.एड - २०१८-२०)